

पाकिस्तान निलाम कर रहा है

अपनी जमीन और सोना -तांबा

BY - SUNIL VERMA SIR

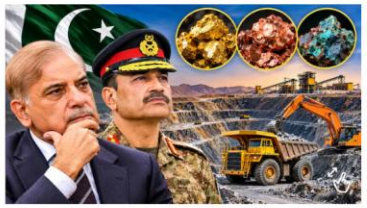
ADVERTISEMENT


पाकिस्तान सोना-तांबा बेचने के लिए बेताब, विदेशी कंपनियों को अपनी जमीन नीलाम करेंगे शहबाज शरीफ-मुनीर

Reported by: मनोज गुप्ता | Written by: Yogendra Mishra | Agency: News18Hindi
Last Updated: November 02, 2026, 16:16 IST

Pakistan Asim Munir: पाकिस्तान आर्थिक संकट से निकलने के लिए अपने खनिज भंडार विदेशी कंपनियों के लिए खोलने की तैयारी कर रहा है. शहबाज शरीफ सरकार खनन क्षेत्र में निवेश को आसान बनाने के लिए नया कानूनी ढांचा तैयार कर रही है. पहले चरण में खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान पर ध्यान दिया जाएगा. इसी बीच रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने माना है कि विदेश नीति और सरकार के अहम फैसलों में सेना की गहरी भूमिका है.

ख़बरें फटाफट
गूगल पर News18 चुनें



पाकिस्तान अपने खनिजों को नीलाम करने जा रही है. (AI जेनेरेटेड इमेज)

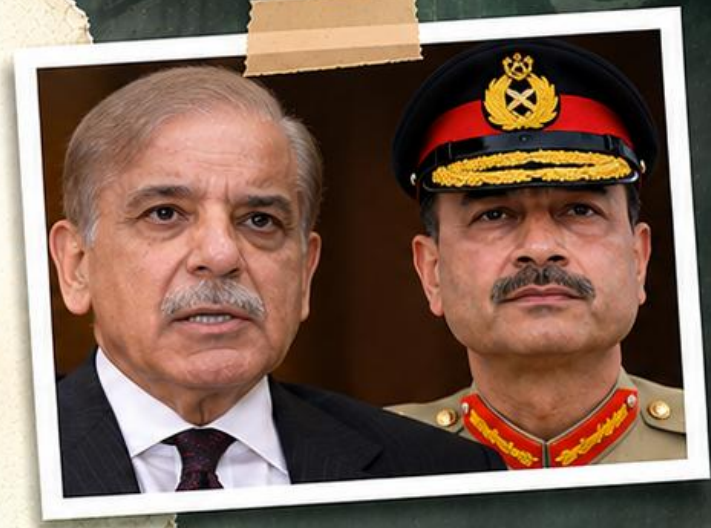
Pakistan News: पाकिस्तान आर्थिक संकट से निकलने के लिए अब अपनी जमीन के नीचे छिपे खजाने को नीलाम करने की तैयारी कर रहा है. शहबाज शरीफ सरकार और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर मिलकर देश के विशाल खनिज भंडार में विदेशी कंपनियों को बेचने की तैयारी कर रहे हैं. पाकिस्तान 12 और 13 नवंबर को होने वाले पाकिस्तान मिनरल्स इनवेस्ट फोरम (PMIF) 2026 में दुनिया की बड़ी खनन कंपनियों और निवेशकों को अपने यहां कारोबार का न्योता देने वाला है. लेकिन इस पूरी कवायद के बीच एक बड़ा सवाल भी खड़ा हो रहा है कि पाकिस्तान के खनिज संसाधनों पर असल नियंत्रण किसका होगा? चुनी हुई सरकार का या उसकी सेना का, जिसका देश की नीतियों और फैसलों में लंबे समय से प्रभाव रहा है? पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के हालिया बयान ने इस बहस को और तेज कर दिया है. उन्होंने माना है कि विदेश नीति, कूटनीति और सरकार के अहम फैसलों में सेना की गहरी भूमिका है.



1. आर्थिक तंगी और कर्ज से बेहाल पाकिस्तान



– **दुनियाभर में भीख मांगने की मजबूरी:** प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खुद एक इंटरव्यू और कारोबारियों के साथ बैठक में स्वीकार किया हैं कि वे और सेना प्रमुख असीम मुनीर देश को चलाने के लिए दुनियाभर में कर्ज और मदद मांगते हुए थक चुके हैं और उन्हें इस पर काफी शर्मिंदगी महसूस होती हैं।





आईएमएफ़ (IMF) और विदेशी कर्ज पर भारी निर्भरता: पाकिस्तान का दिवालिया होने की कगार पर पहुंचना और भारी-भरकम विदेशी ऋणों (IMF, चीन, सऊदी अरब, यूएई) के तले दबना इस मजबूरी की मुख्य वजह हैं। देश की अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए सरकार के पास अब आंतरिक संसाधन नहीं बचे हैं।





2. खनिजों की नीलामी और विदेशी कंपनियों को जमीन सौंपना



- **खजाने की खोज में सौदा:** आर्थिक संकट से उबरने के लिए अब शहबाज शरीफ सरकार और सेना प्रमुख असीम मुनीर देश के नीचे छिपे विशाल खनिज भंडारों (विशेषकर **सोना, तांबा और रेयर अर्थ मेटल्स/दुर्लभ खनिज**) को विदेशी कंपनियों को बेचने और उनकी नीलामी करने के लिए पूरी तरह बेत्ताब हैं।





- **बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के संसाधन:** पाकिस्तान के इन इलाकों (विशेषकर बलूचिस्तान) में अरबों-खरबों डॉलर के खनिज और दुर्लभ पृथ्वी तत्व **(Rare Earth Minerals)** मौजूद हैं, जिन्हें लेकर पाकिस्तान सरकार अमेरिका और चीन जैसी बड़ी ताकतों को लुभाने में लगी है।





3. अमेरिका और चीन के साथ कूटनीतिक सौदेबाजी



- **अमेरिका को लुभाने की कोशिश:** पाकिस्तान अपने इन खनिजों का लालच देकर अमेरिका (राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन) को रिझाने की जुगत में है। अमेरिकी कंपनियों (जैसे **US Strategic Metals**) के साथ करोड़ों डॉलर के एमओयू (**MoU**) और समझौते किए गए हैं ताकि ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन के दबदबे को टक्कर दी जा सके।





- **व्हाइट हाउस में दुर्लभ खनिजों की नुमाइश:** पाकिस्तानी नेतृत्व ने अमेरिकी अधिकारियों के सामने लकड़ी के बक्से में **रेयर अर्थ मिनरल्स** के नमूने तक पेश किए थे, ताकि अमेरिका से निवेश और आर्थिक सहायता हासिल की जा सके।





4. आंतरिक चुनौतियां और बलूचिस्तान का विरोध



- **अस्थिरता और सुरक्षा का संकट:** जानकारों और स्थानीय विश्लेषकों का मानना हैं कि बलूचीस्तन में जारी भारी राजनीतिक अस्थिरता, विद्रोह और अलगाववादी हमलों के कारण विदेशी कंपनियों के लिए वहां जमीन पर उतरकर खनन करना और सप्लाई चेन को सुरक्षित रखना बेहद मुश्किल चुनौती साबित हो रहा हैं।





- **राष्ट्रीय संप्रभुता का सौदा:** इस तरह विदेशी ताकतों को देश के प्राकृतिक संसाधन और जमीन सौंपने के फैसलों पर पाकिस्तान के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं कि इससे देश की दीर्घकालिक संप्रभुता खतरे में पड़ रही हैं।





पाकिस्तान सरकार द्वारा विदेशी कंपनियों को अपने खनिज संसाधन बेचने की इस योजना के तहत पाकिस्तान के प्रमुख प्रांतों में फैले खनिज भंडारों की पूरी सूची राज्य के क्रमानुसार नीचे दी गई है। पाकिस्तान के कुल खनिज संसाधनों का लगभग **80% से 85% हिस्सा अकेले बलूचिस्तान में** पाया जाता है, जबकि शेष हिस्सा अन्य प्रांतों में स्थित है।

---

1. बलूचिस्तान (Balochistan) — सबसे अमीर खनिज प्रांत

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा और खनिजों के मामले में सबसे समृद्ध प्रांत है। यहाँ पाकिस्तान के कुल खनिज भंडारों का सबसे बड़ा हिस्सा मौजूद है:



– सोना और तांबा (Gold & Copper):

- विश्व प्रसिद्ध **रेको डिक (Reko Diq)** और **सैन्दक (Saindak)** परियोजनाएं इसी प्रांत के **चागी (Chagai)** जिले में स्थित हैं, जो सोने और तांबे के विशाल भंडारों के लिए जानी जाती हैं।
- इसके अलावा दालबंदिन, नूकुंडी **(Nok Kundi)** और दश्त-ए-कोह क्षेत्रों में भी तांबे और सोने के अपार भंडार हैं।











- कोयला (Coal):

यहों उच्च गुणवत्ता के कोयले के बड़े भंडार मौजूद हैं (जैसे क्वेटा, सोर रेंज, और मचान क्षेत्र)।





- आयरन ओर (Iron Ore - लौह अयस्क):

मस्तुंग (Spezand क्षेत्र), चिलाघाजी (Chilghazi) और चगाई जिलों में भारी मात्रा में लौह अयस्क पाया जाता है।





- अन्य खनिज:

क्रोमाइट (Qila Saifullah और Zhob क्षेत्रों में), लेड (सीसा), जिंक (जस्ता), बैराइट (Barite), संगमरमर (Onyx & Aragonite Marble), और सल्फर।





2. खैबर पख्तूनख्वा (Khyber Pakhtunkhwa - KPK)

यह प्रांत अपनी बहुमूल्य रत्न और धात्विक खनिजों (Metallic Minerals) की खानों के लिए जाना जाता हैं:



- **कीमती और अर्ध-कीमती रत्न (Gemstones):**
  पन्ना (Emerald), माणिक (Ruby), पुखराज (Topaz), एक्वामरीन (Aquamarine), टूरमाइन (Tourmaline) और पेरिडॉट (Peridot) के दुनिया के बेहतरीन भंडार यहाँ स्वात, चित्राल और मोहमंद जैसी जगहों पर हैं।





- **धात्विक खनिज (Metallic Minerals):**
  क्रोमाइट, मैंगनीज, और आयरन और।





- **औद्योगिक और अधात्विक खनिज:**
  जिप्सम (Gypsum), सोपस्टोन (Soapstone/Talc), मैग्नेसाइट, और फैल्डस्पर (Feldspar)।



3. सिंध (Sindh)

सिंध प्रांत मुख्य रुप से ईंधन खनिजों और ऊर्जा संसाधनों का केंद्र है:



- **कोयला (Coal):** थार मरुस्थल (Thar Coalfield) में दुनिया के सबसे बड़े कोयला भंडारों में से एक मौजूद है, जिसे ऊर्जा और बिजली उत्पादन के लिए विदेशी और घरेलू कंपनियों को सौंपा जा रहा हैं।





- **तेल और प्राकृतिक गैस:** सिंध के दक्षिणी हिस्सों और तटीय क्षेत्रों में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार स्थित हैं।





- **अन्य खनिज:** चाइना क्ले, फुलर्स अर्थ (Fuller's Earth) और सिलिका सेंड।



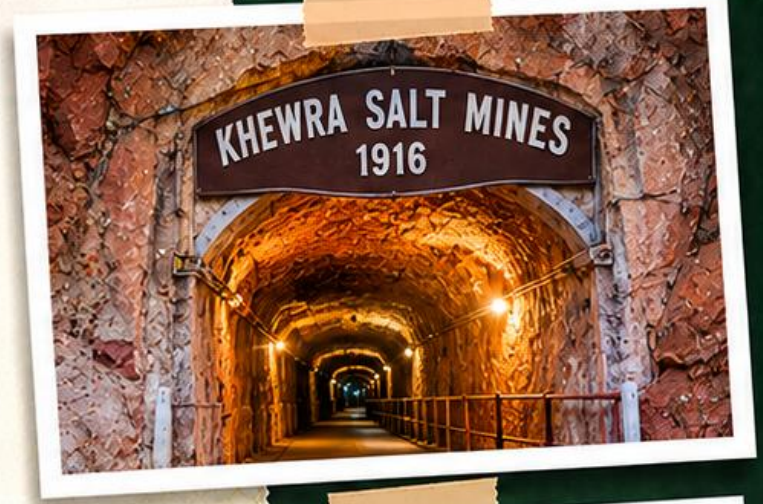


4. पंजाब (Punjab)

पंजाब प्रांत में औद्योगिक खनिजों और नमक के विशाल भंडार हैं:



- **रॉक सॉल्ट (Rock Salt / नमक):** दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी और ऐतिहासिक ख्यूड़ा नमक खान (Khewra Salt Mines) इसी प्रांत के झेलम और साल्ट रेंज (Salt Range) क्षेत्र में स्थित है, जहाँ करोड़ों टन शुद्ध नमक का भंडार है।





- **कोयला (Coal):** साल्ट रेंज के क्षेत्रों (जैसे खुशाब और चकवाल) में सब-बिटुमिनस गुणवत्ता का कोयला पाया जाता है।



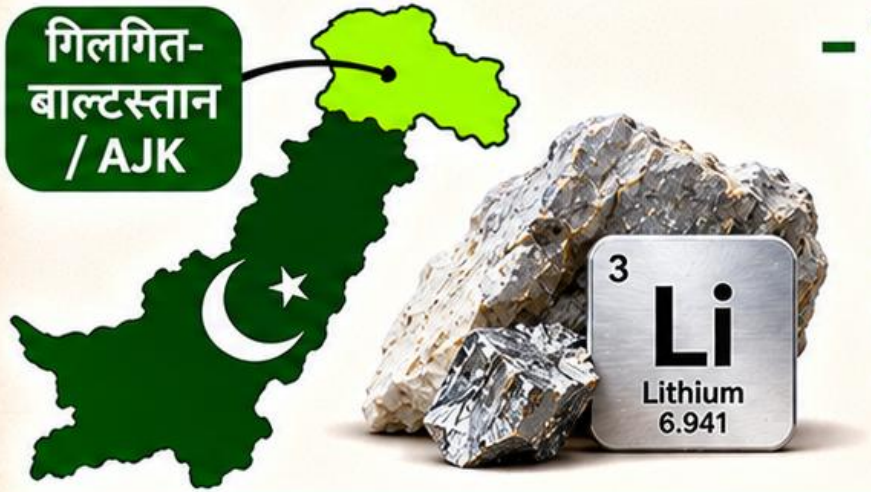


- **अन्य खनिज:** बॉक्साइट (Bauxite), बेंटोनाइट (Bentonite), फायर क्ले (Fire Clay), डोमाइट (Dolomite), कैल्साइट (Calcite), और चॉक।



5. गिलगित-बाल्टस्तान और अन्य उत्तरी क्षेत्र (Gilgit-Baltistan / AJK)

हालाँकि यह आधिकारिक रूप से पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित क्षेत्र हैं, लेकिन यहाँ भी बेशकीमती खनिज मौजूद हैं:



- **दुर्लभ खनिज और लिथियम (Rare Earths & Lithium):** शिगर घाटी (Skardu) और नीलम घाटी (AJK) के पेग्माटाइट चट्टानों में लिथियम (Lithium) और अन्य दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के होने की पुष्टि हुई है।







- **रत्न:** शिगर और हुंजा घाटियों में उच्च कोटि के रत्न (Aquamarine, Topaz आदि) निकाले जाते हैं।



पाकिस्तान द्वारा अपने विशाल खनिज भंडारों (जैसे **सोना, तांबा, कोयला और दुर्लभ खनिज**) को विदेशी कंपनियों को बेचने और खनन परियोजनाओं के लिए समझौते करने के फैसले से जहाँ देश को कुछ तात्कालिक आर्थिक लाभं मिलने की उम्मीद है, वहीं इसके गंभीर और दीर्घकालिक खतरे व समस्याएं भी जुड़ी हुई हैं।

1. संभावित फायदे (Benefits)



– विदेशी मुद्रा (Foreign Exchange) और राजस्व में वृद्धि:
पाकिस्तान गंभीर विदेशी मुद्रा संकट से जुझ रहा है। सोने और तांबे (विशेषकर रेको डिक जैसी बड़ी परियोजनाओं) के निर्यात से देश को अरबों डॉलर का वार्षिक राजस्व मिल सकता है, जिससे दिवालिया होने का खतरा टल सकता है।





– आईएमएफ (IMF) और कर्ज के जाल से राहत:
इन बड़े प्रोजेक्ट्स और विदेशी निवेश के जरिए मिलने वाले पैसों से पाकिस्तान अपने विदेशी कर्जों (IMF, चीन, सऊदी अरब आदि) को चुकाने में कुछ राहत पा सकता है और अपनी वित्तीय स्थिति को थोड़ा स्थिर कर सकता है।





2. गंभीर समस्याएं और खतरे (Problems & Challenges)



– प्राकृतिक संपदा की औने-पौने दामों में लूट (Colonial Exploitation):

चूंकि पाकिस्तान इस समय बेहद लाचार और आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति में है, ऐसे में विदेशी कंपनियां इसका फायदा उठाकर बहुत कम दामों पर उसके संसाधनों के ठेके हासिल कर सकती हैं, जिससे पाकिस्तान को लंबे समय में भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता हैं।





– बलूचिस्तान में अलगाववाद और हिंसक विरोध:

पाकिस्तान के खनिज भंडारों का 80% से अधिक हिस्सा बलूचिस्तान में है। बलूच जनता और विद्रोही समूह पहले से ही स्थानीय संसाधनों के दोहन का विरोध कर रहे हैं। विदेशी कंपनियों और पाकिस्तानी सेना द्वारा संसाधनों को बेचे जाने से वहाँ विद्रोह और आतंकवादी हमले और अधिक भड़क सकते हैं।





– राष्ट्रीय संप्रभुता (National Sovereignty) पर आंच:



देश कीमती जमीन और खनिज संपदा का नियंत्रण विदेशी ताकतों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथों में सौंपने से देश की आर्थिक और रणनीतिक संप्रभुता कमजोर होती हैं। देश अप्रत्यक्ष रूप से विदेशी ताकतों के अधीन हो सकता हैं।



– पर्यावरण और पारिस्थितिकी को भारी नुकसान (Environmental Degradation):



अंधाधुंध और अनियोजित खनिन (Mining) से स्थानीय पर्यावरण, पानी के स्रोत, उपजाऊ जमीन और वन्यजीव पूरी तरह नष्ट हो सकते हैं। बलूचिस्तान जैसे शुष्क इलाकों में पानी की भारी किल्लत पहले से ही है, और खनन के कारण भूजल स्तर पूरी तरह सूख सकता हैं।







– स्थानीय लोगों की उपेक्षा और मानवाधिकार मुद्दे:

इतिहास गवाह है कि इस तरह के बड़े खनन प्रोजेक्ट्स से स्थानीय मूल निवासियों को विस्थापित कर दिया जाता है और उन्हें मुनाफे में कोई हिस्सा नहीं मिलता। इससे स्थानीय लोगों में गुस्सा और अविश्वास और गहरा होगा।





– कानूनी और नौकरशाही संबंधी विवाद:

पाकिस्तान में लगातार बदलती सरकारें, नीतिगत अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और लाल फीताशाही के कारण विदेशी निवेशकों के साथ कानूनी विवाद (जैसे अतीत में रेको डिक को लेकर हुए अंतरराष्ट्रीय मुकदमे) खड़े होने का खतरा हमेशा बना रहता है।





पाकिस्तान वर्तमान में एक बेहद गंभीर और ऐतिहासिक कर्ज के जाल (Debt Trap) में फंसा हुआ है। देश का कुल सार्वजनिक ऋण (Public Debt) और विदेशी कर्ज रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच चुका है, जिसके कारण उसकी पूरी अर्थव्यवस्था चरमरा गई है।

---

1. पाकिस्तान पर कुल कर्ज कितना है? (Foreign & Total Debt Breakdown)



– **कुल बाहरी ऋण (Total External Debt):**
आधिकारिक आंकड़ों (स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान) के अनुसार, पाकिस्तान का कुल बाहरी ऋण बढ़कर लगभग **138.8 अरब अमेरिकी डॉलर ($138.8 Billion)** के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।





– **कुल घरेलू और बाहरी सार्वजनिक कर्ज:**
पाकिस्तान का कुल सरकारी कर्ज (Domestic + External Public Debt) बढ़कर **80 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये (PKR 80 Trillion से अधिक)** को पार कर चुका है, जो देश की कुल जीडीपी (GDP) का **70% से 80%** हिस्सा है।





– किन-किन संस्थाओं और देशों का कर्ज है?



– **अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ (Multilateral Creditors):** पाकिस्तान पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), विश्व बैंक (World Bank), और एशियाई विकास बैंक (ADB) का सबसे बड़ा दबाव है। बार-बार बेलआउट पैकेज (bailout packages) लेने के कारण पाकिस्तान को आईएमएफ की सख्त शर्तों के आगे झुकना पड़ रहा है।



– द्विपक्षीय ऋणदाता (Bilateral Creditors - देश):



- **चीन:** पाकिस्तान का सबसे बड़ा द्विपक्षीय कर्जदाता चीन है (CPEC और अन्य प्रोजेक्ट्स तथा कमर्शियल लोन के जरिए)। पाकिस्तान के कुल विदेशी कर्ज का एक बहुत बड़ा हिस्सा चीन और चीनी बैंकों का है।





- **सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (UAE):** पाकिस्तान ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार (Foreign Exchange Reserves) को गिरने से बचाने के लिए सऊदी अरब और यूएई से अरबों डॉलर के शॉर्ट-टेन्योर लोन और डिपॉजिट ले रखे हैं, जिन्हें चुकाने के लिए बार-बार मोहद्लत मांगनी पड़ती है।





2. इस कर्ज के जाल की वजह से पाकिस्तान किन गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है?

इस भारी-भरकम कर्ज और कमजोर वित्तीय स्थिति के कारण पाकिस्तान में विकट संकट पैदा हो गए हैं:



– राजस्व का अधिकांश हिस्सा कर्ज चुकाने (Debt Servicing) में जाना:

पाकिस्तान सरकार जितना भी टैक्स इकट्ठा करती है, उसका **60% से 70%** से अधिक हिस्सा केवल पुराने कर्जों का ब्याज और मूलधन चुकाने में चला जाता है। देश चलाने या विकास कार्यों के लिए सरकार के पास बजट ही नहीं बचता।





– विदेशी मुद्रा भंडार की भयंकर किल्लत:

पाकिस्तान के पास कई बार सिर्फ कुछ हफ्तों के आयात (Imports) लायक ही विदेशी मुद्रा भंडार बचता है। इस वजह से देश बाहर से कच्चा तेल, दवाइयां और जरूरी सामान मंगाने में असमर्थ होने लगता है।







– बेकाबू महंगाई और मुद्रा का गिरना:

पाकिस्तानी रूपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारी गिरावट देख चुका है। देश में आटा, दाल, घी, बिजली और पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे आम जनता का जीना मुहाल हो गया है।





– उद्योगों और व्यापार का ठप होना:

महंगे कर्ज, भारी भरकम टैक्स और बिजली-गैस की भारी किल्लत के कारण पाकिस्तान के कई कारखाने और औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जिससे बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है।





– सार्वजनिक सेवाओं का पतन:

सरकार के पास पैसे न होने के कारण स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे (Infrastructure) पर खर्च लगभग बंद सा हो गया है। अस्पतालों में जीवन रक्षक दवाइयों की कमी और स्कूलों की बदहाली आम बात हो गई हैं।





3. इन्हीं समस्याओं के कारण पाकिस्तान को क्या कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा है?



– अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के आगे सख्त शर्तें मानना:

IMF के कड़े निर्देशों पर पाकिस्तान में बिजली, गैस और पेट्रोल के दाम रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ाए गए और जनता पर भारी-भरकम टैक्स थोपे गए।





– अपनी संपत्ति और जमीन बेचना (Asset Monetization / Privatization):

देश की सरकारी कंपनियों, एयरपोर्ट्स और यहाँ तक कि देश के नीचे दबे कीमती खनिज संसाधनों (सोना, तांबा और दुर्लभ खनिज) को विदेशी कंपनियों को नीलाम करने या लीज पर देने के लिए मजबूर होना पड़ा है, ताकि कुछ पैसे जुटाए जा सकें।





Thanks For Watching

Learn
Share
Grow
Together ♡

Better
Students
Brighter
Tomorrow

Follow us for more Updates

@RRESULTMITRAOFFICIAL

Join our Telegram

@SUNILVERMA_THEIASMENTOR

Follow on Instagram

Result Mitra

Subscribe Now

Stay Connected



